**संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्त्व**
**महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय, सिविल लाइन**
**रायपुर, छत्तीसगढ़**
E-mail: deptt.culture@gmail.com, Website: www.cgculture.in
Phone No.: 0771 - 2537404, Tele-Fax: 0771- 2234731

आज़ादी का अमृत महोत्सव

क्रमांक- 175 /सं.पु./संगोष्ठी/2022-23/5 5 —08 अगस्त 2022

**राष्ट्रीय संगोष्ठी- परिपत्र**

प्रति,

.....

.....

विषयः **राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध प्रस्तुति के संबंध में.**

---00---

यह विदित है कि विश्व की प्राचीन संस्कृतियों के प्रादुर्भाव, उन्नयन और पराभव में नदियों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है। प्राचीन साहित्यिक स्रोतों में भी नदियों के महात्म्य का विशद वर्णन मिलता है। विभिन्न सभ्यता और संस्कृतियों के पोषक, प्राचीन यात्रापथ और व्यापार मार्ग, सांस्कृतिक विनिमय तथा सामाजिक-आर्थिक क्रियाकलापों के केंद्र के रूप में इनकी भूमिका सर्वविदित है।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियों- महानदी और शिवनाथ तथा उसकी सहायक नदियों सहित उत्तर में सरगुजा अंचल की रेण, कन्हर, ईब आदि तथा बस्तर अंचल में इंद्रावती, शंखिनी-डंकिनी आदि नदियों के तट पर विभिन्न कालों में संस्कृतियाँ आबाद रहीं। प्रमाणस्वरुप इनके तटवर्ती क्षेत्रों में प्राचीन नगरों, बसाहट, स्मारक आदि के भग्नावशेष आज भी विद्यमान हैं। प्रदेश के नदी घाटियों की सभ्यता और संस्कृति के शोध-अध्ययन द्वारा अंचल के इतिहास के विविध पक्षों को प्रकाश में लाने के उद्देश्य से संचालनालय द्वारा **तीन दिवसीय (16 से 18 सितंबर 2022) राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी** का आयोजन **महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर** में किया जा रहा है।

**विषय: छत्तीसगढ़ की संस्कृति-संवाहक-सरिताएं**

उप विषय:
1. प्राचीन भारतीय साहित्य में छत्तीसगढ़ की नदियां
2. सभ्यता और संस्कृति के उद्भव और विकास में छत्तीसगढ़ की नदियों का योगदान
3. प्राचीन यात्रापथ के रूप में छत्तीसगढ़ की नदियों की भूमिका
4. प्राचीन व्यापार में छत्तीसगढ़ की नदियों का योगदान
5. सांस्कृतिक आदान-प्रदान में छत्तीसगढ़ की नदियों की भूमिका
6. छत्तीसगढ़ के सामाजिक-धार्मिक जीवन में नदियों का महत्व
7. सभ्यताओं के पतन में नदियों का प्रभाव

उक्त संगोष्ठी में प्रस्तुति हेतु आपसे शोधपत्र प्रेषित करने का अनुरोध है। शोध प्रस्तुति के लिए पंजीयन (निःशुल्क) अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीयन के लिए विभागीय वेबसाइट (www.cgculture.in) पर दिनांक 14 से 31 अगस्त 2022 तक लिंक उपलब्ध रहेगा। संगोष्ठी में शोधपत्र वाचन/प्रस्तुति उपरांत अपने आलेख की हार्ड कॉपी (हिन्दी फॉन्ट-यूनिकोड, साइज़-12; अँग्रेजी फॉन्ट-न्यू टाइम्स रोमन, साइज़-12) विभाग को अवश्य उपलब्ध करावें जिससे उसे विभागीय प्रकाशन में सम्मिलित किया जा सके।

आपके आगमन पर वास्तविक यात्रा एवं आतिथ्य व्यय विभाग द्वारा नियमानुसार वहन किया जावेगा। आयोजन में कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन अनिवार्य होगा। संगोष्ठी संबंधी अन्य जानकारी हेतु प्रभारी अधिकारी डॉ. प्रताप चंद पारख, उप संचालक (94252-08910) और श्री प्रभात कुमार सिंह, पुरातत्त्ववेत्ता (78983-70255) से संपर्क किया जा सकता है।

संचालक
संस्कृति एवं पुरातत्त्व